

भाऊखेड़ी में सोयाबीन दिवस एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के नए कृषि विज्ञान केंद्र से क्षेत्र के किसानों एवं युवाओं को मिलेगा लाभ

इंदौर/सीहोर, [11.09.2026]।

राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा आज सीहोर जिले के ग्राम भाऊखेड़ी में सोयाबीन दिवस एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के राजस्व मंत्री श्री करन सिंह वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने क्षेत्र के किसानों को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाऊखेड़ी सहित आसपास के विभिन्न गांवों से लगभग 148 किसानों ने सहभागिता की। अपने संबोधन में राजस्व मंत्री श्री करन सिंह वर्मा ने माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाऊखेड़ी में राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान द्वारा स्थापित किए जा रहे नए कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) से क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सोयाबीन की उत्पादकता एवं किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही, कृषि आधारित गतिविधियों के विस्तार से क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित होंगे।

इस अवसर पर उपस्थित सीहोर कलेक्टर माननीय श्री के. बालगुरु ने कृषि विज्ञान केंद्र को मध्य प्रदेश शासन द्वारा जिले में उपलब्ध शासकीय भूमि को यथाशीघ्र हस्तांतरित करने बाबत अपनी सहमति दर्शायी।

कार्यक्रम से पूर्व राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. के. ए. सिंह ने भाऊखेड़ी एवं आसपास के किसानों के खेतों में संस्थान द्वारा स्थापित प्रदर्शन प्लॉटों का भ्रमण किया। इन प्रदर्शन प्लॉटों में सोयाबीन की उन्नत किस्मों NRC 150 एवं JS 21-72 की फसल स्थिति का अवलोकन किया गया, जो संतोषजनक पाई गई। कृषक श्री ताराचंद्र मालवीय, श्री माखनसिंह एवं श्री देवीसिंह के अनुसार इन प्लाटों से लगभग 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त होने की संभावना व्यक्त की गई। इस अवसर पर डॉ. के. ए. सिंह ने भाऊखेड़ी स्थित आजीविका पार्क परिसर के समीप राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित किए जाने वाले नए कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना हेतु प्रस्तावित भूमि का भी सर्वेक्षण किया। उन्होंने भूमि की स्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेते हुए केंद्र को शीघ्र संचालित किए जाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जानकारी ली। प्रस्तावित कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण, नवीन कृषि तकनीकों, उन्नत किस्मों, फसल प्रबंधन तथा कृषि संबंधी वैज्ञानिक सलाह उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में तकनीकी चर्चासत्र का भी आयोजन हुआ जिसमें ICAR-NSRI इंदौर के डॉ. बी. यू. दुपारे, डॉ. लोकेश मीणा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. राघवेंद्र नरगुण्ड, डॉ. विशाल थोरात तथा जबलपुर स्थित ICAR-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के डॉ. पी. के. सिंह एवं डॉ. वी. के. चौधरी ने सोयाबीन फसल की विभिन्न तकनीकियों बाबत किसानों को जानकारी देकर उनकी शंकाओं का निराकरण किया। जबकि कृषि विभाग के उपसंचालक श्री अशोक उपाध्याय तथा श्री वीरेंद्र शर्मा एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्री अनिमेष एवं सुश्री अस्मिता सिंह का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में भाऊखेड़ी, भाड़ाखेड़ी, अमला राजपुरा, रामजीपुरा, काकड़ा खेड़ा, गोलू खेड़ी, बाफापुर ढाकनी सहित आसपास के गांवों के लगभग 148 कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनीकों से अवगत कराना तथा वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना रहा।



